आकाशवाणी, गोरखपुर

दिनांक–13 जुलाई 2025 सान्ध्य समाचार

भारतीय अंतरिक्ष यात्री ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला और एक्सिओम–4 मिशन के तीन अन्य यात्रियों की वापसी यात्रा कल शुरू होगी। विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री जितेंद्र सिंह ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में बताया कि सभी अंतरिक्ष यात्री मंगलवार को दोपहर लगभग तीन बजे धरती पर वापस आ जाएंगे। शुभांशु शुक्ला अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के 14 दिन के मिशन पर हैं। वे इस स्टेशन पर पहुंचने वाले पहले भारतीय और 1984 में अंतरिक्ष में गये विंग कमांडर राकेश शर्मा के बाद दूसरे भारतीय हैं। लखनऊ के रहने वाले शुभांशु ने इस यात्रा के दौरान सात प्रयोग किए हैं। शुभांशु के पिता शम्भू शुक्ला ने अपनी प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि वे बेहद उत्साहित हैं।

जिसके लिए हम लोग इतने दिनों से इंतजार कर रहे थे। अब वह जो वापसी हो रही है हम लोगों को बहुत ही खुशी है और बहुत प्रसन्न है कि जल्दी से जल्दी वह वापस आ जाय। हम ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि वह जो सक्सल जो है पृथ्वी पर आसानी से उनका वापस हो, यह हमारे लिए बड़ी खुशी का दिन है।

****

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आज अपने संसदीय क्षेत्र लखनऊ दौरे के दूसरे दिन नेशनल पीजी कॉलेज में उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री चंद्रभानु गुप्ता की प्रतिमा का अनावरण एवं उनके सम्मान में डाक टिकट भी जारी किया। इस अवसर पर अपने संबोधन में रक्षा मंत्री ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान ब्रह्मोस मिसाइल ने उल्लेखनीय प्रदर्शन किया।

ऑपरेशन सिंदूर हुआ है उस ऑपरेशन सिंदूर में ब्रंम्होस ने करिश्मायी काम किया है ब्रम्होस मिसाइस और इतना ही नही ब्रम्होस मिसाईल ने जो करिश्मा दिखाया है उसके बाद लगभग दुनिया के लगभग 14–15 देशो ने भारत से ब्रम्होस मिसाइल की मांग की है। ब्रम्होस मिसाइल अब लखनऊ से भी एक्पोर्ट की जाएगी। यह फैसल्टि रक्षा सत्र में मै समझता हूं कि हमारे देश की जो आत्म निर्भरता है उसको मतबूती देगी और साथ ही इससे रोजगार का भी सृजन होगा और यह मेरा प्रयास यही है कि और इंड्रस्टी भी आए ताकि लखनऊ के साथ–साथ प्रदेश का भी तेजी से विकास हो।

रक्षा मंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश देश की राजनीतिक यात्रा के प्रमुख केंद्रों में से एक है। यहाँ जन्मे नेताओं और स्वतंत्रता सेनानियों ने इस देश को हमेशा नई ऊँचाइयों पर पहुँचाया है। चंद्रभानु गुप्ता ऐसे ही एक नेता थे जिनके योगदान ने देश का मार्गदर्शन किया है। रक्षा मंत्री ने वर्तमान योगी आदित्यनाथ सरकार की प्रशंसा करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश आज अपनी कानून–व्यवस्था के लिए जाना जाता है।

****

केंद्र सरकार ने राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को नकली और घटिया उर्वरकों की आपूर्ति पर तत्काल कठोर कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों को इस बारे में एक पत्र लिखा है। कृषि मंत्री ने कहा कि उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करना राज्यों का दायित्व है। श्री चौहान ने राज्यों से दोषियों का लाइसेंस रद्द कर प्राथमिकी दर्ज करने को भी कहा है।

****

प्रदेश भर में श्रद्धा और भक्ति के माहौल में कांवड़ यात्रा निकाली जा रही है। प्रशासन की ओर से भारी संख्या में श्रद्धालुओं के देखते हुए उनकी सुरक्षा और सहुलियत के लिए पुख्ता प्रबंध किए गए हैं। इस क्रम में वाराणसी के सरकारी अस्पतालों में 10–10 बेड रिजर्व करवाए गए हैं। इसके अलावा काशी विश्वनाथ मंदिर सहित अन्य प्रमुख मंदिरों के पास एंबुलेंस भी 24 घंटे खड़ी रहेगी। कावड़ रूट में आने वाले स्वास्थ्य केंद्रों पर भी बेड रिजर्व करने के साथ ही यहां स्वास्थ्य टीम तैनात रहेगी।

****

कुशीनगर जिले के पटहेरवा थाना क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग 28 पर आज एक ट्रैक्टर ट्रॉली और कार में हुई जोरदार टक्कर में चार लोगों की मौत हो गई, जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हैं। घायलों का इलाज नजदीकी अस्पताल में चल रहा है। पुलिस क्षेत्राधिकारी तमकुहीराज राकेश प्रताप सिंह ने बताया कि कार सवार झारखंड के बैद्यनाथ धाम से दर्शन कर वापस सिद्धार्थनगर लौट रहे थे। अभी वो कुशीनगर में बगही कुटी के पास ही पहुंचे थे कि हादसे का शिकार हो गए। दुर्घटना की वजह कार ड्राइवर का झपकी लेना बताया जा रहा है।

****

पहाड़ों पर हो रही बारिश और बांधों से पानी छोड़े जाने की वजह से प्रदेश के कई जनपदों में बाढ़ जैसे हालात उत्पन्न हो गए हैं। फर्रुखाबाद में गंगा एवं रामगंगा नदी चेतावनी बिंदु के पास बह रही है। उधर, ललितपुर में भी भारी बारिश से सभी बांधों में जलस्तर बढ़ रहा है। गोविंद सागर बांध के 17 गेट खोलकर पानी की निकासी की जा रही है। अमरोहा में बारिश और बिजनौर बेराज से पानी छोड़े जाने से खादर क्षेत्र के अनेक गांवों के चारों ओर बाढ़ का पानी भर गया है जिससे लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। बांदा में केन नदी का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। केन नदी इस समय खतरे के निशान से लगभग एक मीटर ऊपर बह रही है जिसकी वजह से नदी के किनारे बसे लगभग एक दर्जन गांव बाढ़ के पानी से घिर गए हैं।

****